

ये अव्यक्त इशारे



स्वयं और सर्व के प्रति मन्सा द्वारा
योग की शक्तियों का प्रयोग करो



21-10-2025

शान्ति की शक्ति का प्रयोग पहले स्व के प्रति, तन की व्याधि के ऊपर करके देखो। इस शक्ति द्वारा कर्मबन्धन का रूप, मीठे सम्बन्ध के रूप में बदल जायेगा। यह कर्मभोग, कर्म का कड़ा बन्धन साइलेन्स की शक्ति से पानी की लकीर मिसल अनुभव होगा। भोगने वाला नहीं, भोगना भोग रही हूँ – यह नहीं लेकिन साक्षी दृष्टा हो इस हिसाब-किताब का दृश्य भी देखते रहेंगे।

**Experiment on yourself and others with
your mind with the powers of yoga.**

First of all, experiment with the power of silence on yourself and any illness of your body and examine yourself. By using this power, your karmic bondages will change their form into sweet relationships. By using the power of silence, any suffering of karma, or strong bondage of karma will be experienced to be like a line on water. You won't feel that you are suffering, but being a detached observer you will then continue to observe the scenes while settling your karma.